

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में स्वेज नहर की भूमिका और महत्व :-

* स्वेज नहर का परिचय :-

स्वेज नहर विश्व की सबसे महत्वपूर्ण कृत्रिम नहरों में से एक है। यह भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है। यह मिस्र में स्थित है और इसकी लंबाई लगभग 193 Km है।
निर्माण वर्ष = 1859-1869

उद्घाटन = 17 Nov 1869

निर्माता = फ्रांसीसी अभियंता फर्डिनेंड डी लेसेप्स

* भौगोलिक स्थिति :-

स्वेज नहर अफ्रीका और एशिया महाद्वीपों के बीच एक समुद्री सेतु का कार्य करती है।

→ यह नहर पोर्ट साईद से शुरू होकर स्वेज शहर तक जाती है। इस नहर के द्वारा यूरोप और एशिया के बीच का समुद्री मार्ग काफी छोटा और तेज हो गया है।

→ अफ्रीका के दक्षिणी छोर (केप ऑफ गुड होप) से होकर जाने की आवश्यकता नहीं रहती।

* अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भूमिका :-

1 यूरोप - एशिया व्यापार का मुख्य मार्ग :-

स्वेज नहर यूरोप से एशिया और पूर्वी अफ्रीका तक के व्यापारिक जहाजों

के लिए सबसे छोटा समुद्री मार्ग प्रदान करती है।
उदाहरण :-

लंदन से मुंबई का समुद्री मार्ग नहर के कारण लगभग 7,000km छोटा हो जाता है।
जहाजों की अफ्रीका के चारों ओर घूमने की जरूरत नहीं पड़ती।

2. समय और ईंधन की बचत :-

नहर के माध्यम से यात्रा करने से समय, ईंधन और लागत तीनों की बचत होती है। इससे वस्तुओं की परिवहन लागत कम होती है, जिससे वैश्विक व्यापार लाभान्वित होता है।

3. ऊर्जा व्यापार (तेल व गैस) के लिए महत्व :-

रूस नहर विश्व के तेल, गैस और पेट्रोलियम उत्पादों के आवागमन का प्रमुख मार्ग है।

मध्य पूर्व से यूरोप तक प्रतिदिन लाखों बैरल तेल इसी मार्ग से जाता है।

→ किसी कारणवश नहर बंद होने पर तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमते बढ़ जाती है।

4. वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव :-

रूस नहर का संयोजन।